commercial production of gallium a vital raw material for the electronics industry, in the country; and

(b) if so, what are the details of the new project?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) No, Sir. However, a project proposal namely, "Demonstration plant for extraction, refining, testing and characterisation of Gallium metal to 6N/7N purity" is under consideration for partial assistance from UNDP. This project would be implemented jointly by National Aluminium Company (NALCO) under the Department of Mines and Centre for Materials for Electronics Technology (C-MET), an autonomous registered society under the administrative control of the Department of Electronics.

(b) Does not arise.

Diversification of activities of Electronics Trade and Technology Development Corporation

2014. SHRI P. UPENDRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the public sector Electronics Trade and Technology Development Corporation is proposing to diversify its activities to set up a manufacturing unit for software;

(b) whether colour television sets manufactured by the ET&T have not become popular with the consumers and several complaints made about their performance have not been attended to promptly; and

(c) what is the capacity of this organisation to diversify its activities, instead of concentrating on its main business of computer software?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) ET&T has taken over the management of Software Technology Park (STP), Gandhinagar set up by the Software Technology Park of India (STPI), a registered Society under the administrative control of the Department of Electronics. STP is a 100 per cent Export Oriented Project, catering to the needs of software development for 100 per cent export through data links.

(b) Presently, ET&T is not manufacturing colour TV sets. ET&T under its Material Technology and Brand Name (MTB) programme provides ready to assemble kits to various TV manufacturers. TV sets produced by manufacturers under this programme are marketed by them directly and after-sales-service are provided by the manufacturers directly. However, ET&T provides after-sales-service promptly in cases where it buys assembled sets from MTB manufacturers and market itself

(c) ET&T has a pool of technically competent personnel who can handle the new thrust areas undertaken by the Corporation.

विभिन्न परियोजनाओं में प्रतिनियुक्ति पर गए कम्प्यूटर विशेषज्ञ

2015. श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री कृष्ण लाल शर्मा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कम्प्यूटर और संस्कृत संबंधी विभिन्न परियोजनाओं में सुयोग्य और प्रशिक्षित कम्प्यूटर विशेषज्ञ प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करने और संस्कृत प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर प्रदान करने की दिशा में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) प्रत्येक परियोजना का, इन परियोजनाओं में कम्प्यूटर विशेषज्ञों के पदों का और उनमें नियुक्त किए गए कम्प्यूटर विशेषज्ञों की योग्यता और अनुभव का ब्यौरा क्या है;

(ग) संस्कृत के कौन-कौन से विश्वविद्यालयों और स्कूलों (विद्यापीठों में

ये सॉफ्टवेयर उपलब्ध करा दिए गए हैं;

(घ) क्या मार्च, 1992 तक सभी संस्कृत विद्यापीठों और चुने हुए स्कूलों में संस्कृत सॉफ्टवेयर पैकेज उपलब्ध कराने की कोई योजना है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस योजना पर कितनी धन-राशि खर्च किए जाने की संभावना है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) और (ख) इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के भारतीय भाषाओं के लिये प्रौद्योगिकी विकास (टी डी आई एल) कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत के विभिन्न संस्थानों में कई परियोजनायें शुरू की गयी हैं। इस प्रकार की प्रत्येक परियोजना में इन संस्थानों के लिये कम्प्यूटर विशेषज्ञ नियुक्त करने का प्रावधान रखा गया है ताकि वे उन्हें कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के विकास में सहायता कर सकें। इसके अतिरिक्त, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, रुड़की विश्व-विद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली जैसे विशिष्ट तकनीकी संस्थाओं को इन संस्कृत संस्थानों की सहायता करने का कार्य सौंपा गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, संस्कृत संस्थानों में प्रतिनियुक्ति के आधार पर विशेषज्ञ नियुक्त करने की कोई विशिष्ट योजना नहीं है। परियोजनाओं के ब्यौरे तथा इन परियोजनाओं में कम्प्यूटर विशेषज्ञों के पदों के ब्यौरे संलग्न विवरण में दिये गये हैं। **(नीचे देखिए)** नियुक्त किये गये विशेषज्ञों की शैक्षिक योग्यताओं तथा अनुभव के बारे में निर्णय परियोजना के मुख्य अन्वेषक द्वारा संबंधित संस्थानों/विश्वविद्यालय के मानदण्डों के अनुसार लिये जाते हैं।

(ग) से (ङ) संस्कृत के इन संस्थाओं को सौंपी गयी परियोजनाओं में उनके परिसर में ही संस्कृत के सॉफ्टवेयर का विकास किया जाना शामिल है। इस लिये, इन संस्थानों को संस्कृत का कोई व्यावसायिक सॉफ्टवेयर पैकेज उपलब्ध नहीं कराया गया है।

विवरण

भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 'संस्कृत एवं कम्प्यूटर से संबंधित जिन परियोजनाओं को धनराशि उपलब्ध कराई गई है, उनकी सूची

	परियोजना का नाम	संस्थान का नाम	अवधि	कम्प्यूटर विशेषज्ञ के पद
1	2	3		4
1.	कम्प्यूटर पर आधारित अर्थ निरूपण संसाधन में संस्कृत का प्रयोग (क्रिया अनुसंधान) चरण–II	संस्कृत अनुसंधान अका-दमी मेलकोट	1 वर्ष	प्रोग्रामर–2 परामर्शदाता–1
2.	संस्कृत शास्त्र में सूचना संसाधन के ढांचे का पता लगाना	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 वर्ष	वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी–1 कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी–1

1	2	3	4
3.	शिक्षा स्नातक शिक्षा निष्पात् के विद्यार्थियों के लिये कम्प्यूटर की सहायता से ज्ञानार्जन शिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन केन्द्र	श्री लाल बहादुर शास्त्री 4 वर्ष राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	सॉफ्टवेयर इंजीनियर-2 परामर्शदाता-1
4.	कम्प्यूटर की सहायता से संस्कृत शिक्षण/ज्ञानार्जन परिवेश (कैमल) भाग-I, चरण-II	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2 वर्ष नई दिल्ली	कम्प्यूटर विशेषज्ञ-2
5.	कम्प्यूटर की सहायता से संस्कृत-शिक्षण/ज्ञानार्जन परिवेश (कैमल) भाग II चरण-II	श्री लाल बहादुर शास्त्री 2 वर्ष राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	कम्प्यूटर विशेषज्ञ-1
6.	मशीन में पठन योग्य रूप में भारतीय भाषा के पाठ के मूल तत्वों का विकास (संस्कृत)	सम्पूर्णानन्द संस्कृत 3 वर्ष विश्वविद्यालय, वाराणसी	सॉफ्टवेयर डिजाइन-2

संस्कृत संस्थानों में कम्प्यूटर विशेषज्ञ

2016. **श्री कृष्ण लाल शर्मा** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जिन संस्कृत संस्थानों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण सॉफ्टवेयर के विकास की परियोजनाओं के लिए सरकार ने अनुदान दिया है, उन संस्थानों में इन परियोजनाओं की संतोषजनक प्रगति के लिए सरकार ने कम्प्यूटर विशेषज्ञ उपलब्ध कराए हैं; और

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार 30 जून, 1992 तक इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों से कम्प्यूटर विशेषज्ञों को इन संस्थानों में तीन वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित करेगी ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के भारतीय भाषाओं के लिये प्रौद्योगिकी विकास (टी डी आई एव) कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत के विभिन्न संस्थानों में कई परियोजनायें शुरू की गयी हैं। इस प्रकार की प्रत्येक परियोजना में इन संस्थानों के लिये कम्प्यूटर विशेषज्ञ नियुक्त करने का प्रावधान रखा गया है ताकि वे उन्हें कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के विकास में सहायता कर सकें। इसके अतिरिक्त, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली जैसे विशिष्ट तकनीकी संस्थानों को इन संस्कृत संस्थानों की सहायता करने का कार्य सौंपा गया है।

(ख) यह प्रश्न ही नहीं उठता।